University in News on 06 March 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

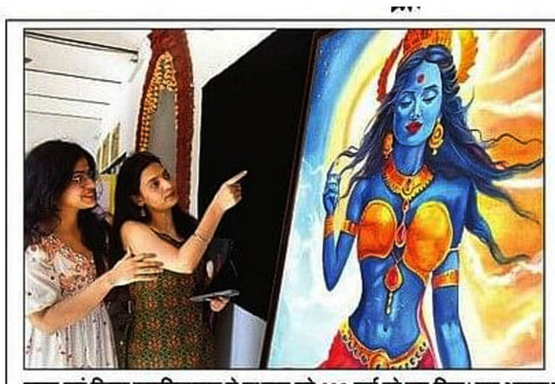

कला एवं शिल्प महाविद्यालय ने बुधवार को 113 वर्ष पूरे कर लिए। इस अवसर महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने कला मेले का आयोजन किया। उद्घाटन पूर्व प्राचार्य जयकृष्ण अग्रवाल ने किया। पांच से आठ मार्च तक ललित कला संकाय में आयोजित मेले की प्रदर्शनी में महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्रों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के आठ प्रमुख दृश्य कला संस्थानों की भी भागीदारी रही। -अमर उजाला

लविवि : नौ कोर्स के परीक्षा परिणाम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने विषम सेमस्टर परीक्षाओं के नौ कोर्स के परीक्षा परिणाम बुधवार को घोषित कर दिए। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि बीएलएड, बीएससी, बीपीए व एलएलबी पांच वर्ष के विषम सेमस्टर के परिणाम जारी किए गए हैं। (संवाद)

सांस्कृतिक विरासत दूर करेगी समस्या

लखनऊ। लविवि में समाजकार्य विभाग की ओर से सतत विकास अवसर एवं चुनौतियां विषय पर संगोष्ठी हुई। आकाशवाणी लखनऊ व विभाग के संयुक्त तत्वावधान में हुई संगोष्ठी में मुख्य वक्ता डॉ. अजीत चतुर्वेदी ने कहा कि देश की सांस्कृतिक विरासत से ही सतत विकास की चुनौतियों का निदान संभव होगा। इस दौरान प्रो. ध्रुवसेन सिंह, प्रो. रोली मिश्रा, डॉ. अनामिका श्रीवास्तव, डॉ. अन्विता, प्रो. राकेश द्विवेदी ने भी विचार रखे। (संवाद)

कवि सम्मेलन में युवाओं ने पढ़ीं रचनाएं

लखनऊ। लविवि के हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में होली मिलन समारोह के तहत युवा कवि सम्मेलन और मुशायरे का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. वीके शर्मा और संस्कृतिकी संयोजिका प्रो. अंचल श्रीवास्तव रहीं। आशुतोष श्रीवास्तव, अनमोल मिश्र, कौंतेय जय, अंशिका, कैफ गाजीपुरी, निर्भय निश्छल, सत्यदेव सिंह, राकेश महदिउरी ने रचनाएं पढ़ीं। आयोजन मंडल में अभिषेक प्रजापति ओज, शिवम श्रीवास्तव, प्रखर मिश्रा प्रांशु रहे। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 7

आयोजन | कला एवं शिल्प महाविद्यालय के 113 वें स्थापना दिवस पर कला मेला का शुभारंभ, छात्र-छात्राओं ने किया अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन

कला साधकों ने कबाड़ से सजाया कॉलेज

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। कला एवं शिल्प महाविद्यालय के 113 वें स्थापना दिवस पर कला मेला शुरू हुआ। महाविद्यालय के अप्लाइड, पेंटिंग, स्कल्पचर एवं टेक्सटाइल के छात्र-छात्राओं ने अपने हुनर का प्रदर्शन करते हुए महाविद्यालय को आकर्षक रूप दे दिया। वेस्ट मेटेरियल से आकृतियां गढ़ीं तो सुपर स्टार स्वर्गीय दिलीप कुमार के पोर्ट्रेट ने मन मोह लिया।

कला साधकों ने अपने हुनर और कुशलता से महाविद्यालय को सजाने के साथ ही कई आकर्षक सेल्फी प्वाइंट तैयार किए और जगह-जगह इंस्टालेशन से अपनी प्रतिभा का भरपूर प्रदर्शन किया। आठ मार्च तक चलने वाले कला मेला का उद्घाटन कॉलेज के पूर्व प्राचार्य व फेमस प्रिंट मेकर जयकृष्ण अग्रवाल ने किया। मेले में विभिन्न विभागों के छात्रों द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई। कला पत्रिका कला संवाद का विमोचन हुआ। राज्य ललित अकादमी एवं केन्द्रीय ललित कला अकादमी की ओर से भी प्रदर्शनी लगायी गई।

कला एवं शिल्प महाविद्यालय के स्थापना दिवस पर कला मेले में विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी लगाई।

08 मार्च तक परिसर में कला मेले का आयोजन

- पूर्व प्राचार्य सुधीर रंजन ने 1956 में पहली बार कला मेला शुरू किया। 1911 में महाविद्यालय स्थापित हुआ था।

विद्यार्थियों ने एक दूसरे के चेहरे पर भी रंगों से सजावट की।

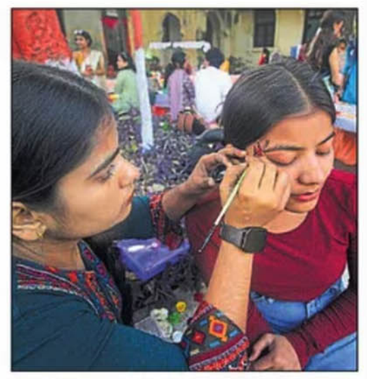

एलयू में छात्रों ने पढ़ीं अपनी रचनाएं

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में होली मिलन समारोह के तहत युवा कवि सम्मेलन और मुशायरा हुआ। विद्यार्थियों की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. वीके शर्मा और संस्कृतिकी संयोजिका प्रो. अंचल श्रीवास्तव रहीं। इस दौरान आशुतोष श्रीवास्तव, अनमोल मिश्र, कौंतेय जय, अंशिका, कैफ गाजीपुरी, निर्भय निश्छल, सत्यदेव सिंह आदि ने रचनाएं पढ़ीं।

i-NEXT PAGE 5

'सब मेरे शव को जलाकर जाएंगे अस्थियों में प्रेम ही रह जाएगा...'

एलयू में युवा कवि सम्मेलन-मुशायरे का आयोजन

LUCKNOW (5 MARCH): सरा जी रौशनी का खुद पे काबू देख लेते हैं, के जैसे बुझ रही आंखों से जुगनू देख लेते हैं, अंशिका शुक्ला ने जैसे ही इन लाइनों को पढ़ा, विभाग में खूब तालियां बजीं. मौका था बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में युवा कवि सम्मेलन व मुशायरे के आयोजन का. मुख्य अतिथि अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर वीके शर्मा और सांस्कृतिकी संयोजिका प्रोफेसर अंचल श्रीवास्तव उपस्थित रहीं.

कवियों का स्वागत किया

युवा कवियों को माला पहनाकर स्वागत किया गया. युवा कवि शिवम श्रीवास्तव ने 'सब मेरे शव को जलाकर जाएंगे, अस्थियों में प्रेम ही रह जाएगा.. पढ़ा तो श्रोताओं ने खूब तारीफ की. कवि सत्यदेव सिंह ने ऐसी हालत हुई हमारी, जैसे तलवार बिन म्यान की..., अनमोल मिश्रा ने अगर नियति है भंग होना तो अभी यह भंग होगा, संग रहकर भी रहेगा, छूटकर भी संग होगा पढ़ा. राकेश महदिउरी ने हमको मालूम है जन्नत की हकीकत गालिब, नाम हमने कभी गुलजार नहीं रखा..., अभिषेक अवस्थी ने होली के रंग दिल के कपड़ों पे खिल रहे हैं, जो मनचले नहीं थे, वह भी मचल रहे हैं..., सुनाकर प्रशंसा बटोरी.

नाटक ने दिखाई महिलाओं की बंदिश

LUCKNOW (5 MARCH): एलयू के विधि संकाय में स्थापित प्रतिष्ठित संस्था विधिक सहायता केंद्र एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से बुधवार को तरहिया गांव, बक्शी का तालाब व लखनऊ के निवासियों के लिए फ्री विधिक सहायता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया. कार्यक्रम सेवा हास्पिटल और काव्योम के सहयोग से हुआ. काव्योम ने आजादी: एक छल विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें समाज में व्याप्त पितृसत्तात्मक मानसिकता, महिलाओं की समस्याओं और उन पर थोपे गए अनकहे प्रतिबंधों को उजागर किया. यह नाटक काव्योम के अध्यक्ष कौन्तेय जय के मार्गदर्शन में हुआ. डा. अभिषेक कुमार तिवारी, अध्यक्ष, ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला.

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

देश की सांस्कृतिक विरासत से होगा सतत विकास की चुनौतियों का निदान

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. सुरेंद्र सिंह सभागार में समाज कार्य विभाग आकाशवाणी लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में सतत विकास : अवसर एवं चुनौतियां विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य वर्तमान समय में सतत विकास के मार्ग में आने वाली बाधाओं एवं अवसरों पर युवाओ का मत जानना था। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रति कुलप्रति प्रो. मनुका खन्ना ने विकसित और विकासशील देशों में सतत विकास के अंतर पर अपने विचार रखे तथा प्राचीन भारतीय जीवनशैली और पर्यावरण से उसके जुड़ाव के बारे में विस्तार से बताया।

> लविवि में सतत विकास : अवसर एवं चुनौतियां विषय पर संगोष्ठी सम्पन्न

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य वक्ता आकाशवाणी के मुख्य कार्यक्रम निदेशक डॉ. अजीत चतुर्वेदी ने सतत विकास की प्रक्रिया पर अपने विचार व्यक्त किये, जिसमें सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और सतत विकास के 17 लक्ष्यों पर चर्चा की। उन्होंने 2047 तक भारत को एक सशक्त विकसित राष्ट्र बनाने में हमारे योगदान पर विचार साझा किए और आकाशवाणी के न्यूज ऑन एआईआर ऐप के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. ध्रुव सेन सिंह, विभागाध्यक्ष, भूगर्भशास्त्र, लखनऊ विश्वविद्यालय ने पृथ्वी, प्रकृति और मानव उत्पत्ति के गहरे संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने मानव जनित गतिविधियों के नकारात्मक प्रभाव और संसाधनों की कमी के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की तथा भारतीय संस्कृति में सतत विकास की अवधारणा पर चर्चा की।

कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत एवं कार्यक्रम की रूपरेखा को प्रस्तुत करते हुए प्रो. राकेश द्विवेदी, विभागाध्यक्ष, समाज कार्य, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा सतत विकास में समाज कार्य की भूमिका एवं नागरिकों के नैतिक कर्तव्य पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विभाग द्वारा भविष्य में सतत विकास संबंधी विषयों पर किए जाने वाले प्रयासों तथा भारतीय परिप्रेक्ष्य में समाज की प्रक्रियाएं, जो सतत विकास को प्रभावित करती हैं, के बारे में जानकारी प्रदान की। साथ ही समाज कार्य विभाग के छात्रों से सतत विकास लक्ष्य से जुड़े मॉडल पर कार्य करने की बात कही। कार्यक्रम को दो सत्रों में विभाजित किया गया था, जिसमें प्रथम सत्र में उद्घाटन तथा द्वितीय सत्र तकनीकी सत्र के रूप में संचालित किया गया। द्वितीय सत्र में छात्र-छात्राओं को सतत विकास के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त करने के अवसर प्रदान किए गए। द्वितीय सत्र के आरंभ में तकनीकी सत्र के रूप में लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. रोली मिश्रा ने अर्थशास्त्रीय और कृषि गतिविधियों के पर्यावरण पर प्रभाव पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि हमारी आर्थिक गतिविधियों ने पर्यावरण को किस प्रकार नुकसान पहुंचाया और यह भी समझाया कि जीवनशैली में बदलाव करके हम सतत विकास को कैसे प्रभावित कर सकते हैं।

आकाशवाणी के असिस्टेंट डायरेक्टर डॉ. अनामिका श्रीवास्तव ने सतत विकास को लेकर आकाशवाणी के प्रयासों की जानकारी दी तथा ई-कचरा और औद्योगिक कचरे के दुष्प्रभावों पर अपने विचार साझा किए। यह कार्यक्रम सतत विकास की चुनौतियों और संभावनाओं पर केंद्रित रहा और यह समझने का प्रयास किया गया कि एक नागरिक के रूप में हमारा दायित्व क्या होना चाहिए। साथ ही, समाज में जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम में समाज कार्य विभाग के शिक्षक, शोधार्थी, छात्र-छात्राओं, आकाशवाणी लखनऊ के मुख्य अधिकारी एवं उनकी टीम के सदस्य समेत लगभग 125 लोग उपस्थित रहे।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

युवा कवि सम्मेलन में दिखा होली का उत्साह

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग के विद्यार्थियों ने होली मिलन समारोह के उपलक्ष्य में युवा कवि सम्मेलन एवं मुशायरा आयोजित किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो.वीके शर्मा ने भाग लिया। आयोजन में आशुतोष श्रीवास्तव जय, अनमोल मिश्र, कौंतेय जय, अंशिका, कैफ गाजीपुरी, निर्भय निश्छल, सत्यदेव सिंह और राकेश महदिउरी ने अपनी अपनी बेहतरीन रचनाएं सुनाई। कार्यक्रम के आयोजक अभिषेक प्रजापति ओज, संयोजक शिवम श्रीवास्तव, सहसंयोजक प्रखर मिश्रा प्रांशु ने कवि सम्मेलन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन अभिषेक अवस्थी ने किया। इस मौके पर सांस्कृतिकी संयोजिका प्रो.अंचल श्रीवास्तव,हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो.रश्मि कुमार सहित विभाग के वरिष्ठ आचार्य प्रो.पवन अग्रवाल,प्रो.रीता चौधरी, प्रो.अलका पांडेय, प्रो.सूरज बहादुर थापा, डॉ.अनुपम पटेल, डॉ.अकांक्षा, डॉ.सीमा यादव, डॉ.ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह और बड़ी संख्या में शोध छात्र-छात्राओं सहित विद्यार्थी मौजूद रहे।

TOI PAGE 3

Fine art fest that's all about creativity & fun

Times News Network

Lucknow: Kala Mela, organized by the Arts College, Lucknow University, showcasing a diverse range of artistic expressions with 50 stalls featuring paintings, photography, sculptures, pottery, and waste management art, began on Wednesday.

Attended by nearly 2,000

KALA MELA

students from various colleges of Lucknow, the event makes fine art accessible, offering artworks for sale from Rs 20 to Rs10,000.

The Kala Mela runs until March 8, open from 12pm to 6 pm for all art enthusiasts with free entry.

Visitors can explore textiles, digital illustrations, and handcrafted accessories like bangles, bead necklaces, earrings, and hand bands. Face painting booths add a fun, interactive element. The exhibition also features banners, postal stamps, and movie posters with unique designs, adding fresh artistic perspectives.

It's incredible to see such thought-provoking installations alongside such a lively artistic marketplace," said Ritu Singh, a second year post graduate student.

"I loved how this festival merges serious themes with creativity and fun. The photography section was filled with passion and incredible angles of photography," said Aman Verma, a second year post graduate student.

"There's something for everyone, whether you're here to appreciate art, buy unique pieces, or just enjoy the atmosphere. We work a lot throughout the year and Kala Mela gives us the platform to display our art, said a visual art artist, Vikas Kumar Varun.

Sunil Kumar

The fest have 50 stalls featuring paintings, photography, sculptures, pottery, and waste management art

Yatra promoting yoga flagged off by cricketer Srinath reaches city

Yoga instructor Krishna Nayaka at Lucknow University on Wednesday

Times News Network

Lucknow: A 'padyatra' by yoga instructor Krishna Nayaka (30) launched two years ago in Mysuru by legendary cricketer Javagal Srinath reached Lucknow on Wednesday.

Krishna, who began this walk back in 2022, conducted yoga sessions at Lucknow University, Shri Jai Narain Misra PG College and the District Institute of Engineering and Training.

The yatra aims to cover 22,000km across the country in four years to promote yoga awareness among masses.

Krishna has so far walked 15,000km through 20 states and extended his journey to Nepal and Bhutan so far.

"I walk 30km a day during which I educate people about the benefits of yoga. I visit educational institutions and organisations during this journey. I began this journey from Mysuru and will end it in the same city in another two years," Krishna told TOI.

He said, "I decided to undertake this journey when I was a member of the Mysore University cricket team, and playing too much cricket led to back pain. When I consulted doctors, they suggested surgery. Unwilling to undergo surgery, I visited an Ayurveda hospital where I met the sage who told me doing yoga regularly would cure me. Influenced by the healing benefits of yoga, I wanted to promote it in a big way, and hence I decided to invest four years of my life in this."

He is a certified yoga instructor, and this walkathon titled 'Walking Man of Beyond Borders for Yoga,' aligns with the theme: Divided by Nations, United by Yoga.

HT PAGE 3

A grand "Kala Mela" was organised to celebrate the 113th Foundation Day of the College of Arts and Crafts in Lucknow.

DEEPAK GUPTA/HT

College of Arts and Crafts marks 113th foundation day with 'Kala Mela'

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: The College of Arts and Crafts, University of Lucknow, celebrated its 113th foundation day with a grand 'Kala Mela,' bringing together artists, students, and the public to explore various art forms.

The event, which began on Wednesday, was inaugurated by former principal and noted printmaker Jai Krishna Agrawal. It featured an exhibition by students from different departments, an international students' art exhibition, video installations, and the launch of the art magazine 'Kala Samvaad'.

Agarwal reminisced about his student days at the college and emphasised that art should not be influenced by the market; rather, artists should influence the market.

Principal Ratan Kumar welcomed guests with bouquets, while Agrawal recalled his student days and spoke on the artist's role in shaping the art market.

Students from eight major visual arts institutions of Uttar Pradesh, including Shakuntala Mishra University, Goyal Group of Institutions, Techno Group of Higher Studies, SKD, Royal Prudent, and Bhimrao Ambedkar University, participated. The State and Central Lalit Kala Akademi also displayed their publications and artworks.

The international seminar 'Kala Manthan' is set to discuss the future of emerging art styles on Saturday, with scholars and artists from across the country.

AMRIT VICHAR PAGE 9

लविवि के विधिक सहायता केंद्र ने ग्रामीणों को दी जानकारी

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में स्थापित विधिक सहायता केंद्र एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में तरहिया गांव, बक्शी का तालाब के निवासियों के लिए विधिक सहायता व साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सेवा हॉस्पिटल और काव्योम के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रो. बीडी सिंह व डॉ. आरके सिंह ने ग्रामीणों को संबोधित किया और उन्हें कानूनी सहायता सेवाओं के बारे में जानकारी दी। डॉ. अभिषेक कुमार तिवारी ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला और गांववासियों को इसकी महत्ता से अवगत कराया। इस अवसर पर काव्योम द्वारा आज़ादी एक छल विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। काव्योम के अध्यक्ष कौन्तेय जय के मार्गदर्शन में लोगों को जागरूक किया गया। सेवा हॉस्पिटल के डॉक्टरों की टीम ने गांववासियों को निशुल्क स्वास्थ्य जांच और परामर्श सेवा प्रदान की। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में कानूनी जागरूकता बढ़ाना और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान करना था, जिससे ग्रामीण समुदाय को सशक्त और जागरूक बनाया जा सके।